

# त्रिनेत्र गणेश जी रणथम्भौर के तीन दिवसीय वार्षिक मेले में उमड़े लाखों श्रद्धालु

सवाई माध्योपर । रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश जी के लकड़ी मेले में शनिवार को दूसरे दिन, लाखों की तादाद में श्रद्धालुओं का सैलाब उड़ पड़ा। लाखों की तादाद में उमड़े श्रद्धालुओं के सैलाब ने शनिवार को त्रिनेत्र गणेश मंदिर में अपनी हाजिरी लाई और मनौतिया मार्गीशनिवार को चौथे को मुख्य मेला होने के कारण रणथम्भौर की हरी भरी वादियों ने त्रिनेत्र गणेश विहारों से लगातार चुंब ही थी। शुक्रवार से शुरू हुए रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश लकड़ी मेले में शनिवार को दूसरे दिन ऐसा जन सैलाब उमड़ा कि पुरुषों प्रशासन को भी व्यवस्थाएं बनाने में कठी मशक्कत करने पड़ी।

रणथम्भौर में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्रद्धाका सैलाब तो उमड़ा पर गत वर्ष से इस बार भी कम रही उसका कारण प्रश्न से लगातार हो रही वादियों के लिए विहारों के अधिकारी तर्फ संबंधित हो रही है। नई लालों में उपनाम के कारण सड़क मार्ग से आने वाले यात्री बहुत हुआ है। मार्ग में पैर रखने तक को जगह लेकिन पिछे भी रस्ते में आसानी के कारण श्रद्धालुओं के लिए भंडरों का आयोजन किया गया है। तीन दिवसीय मेले में राजस्थान ही नहीं



लाखों की तादाद में उमड़े श्रद्धालुओं के सैलाब ने शनिवार को त्रिनेत्र गणेश मंदिर में अपनी हाजिरी लगाई।

गणेश यामन हो रही है रणथम्भौर सकिल से ही त्रिनेत्र गणेश मंदिर तक समृद्ध इलाका। श्रद्धालुओं के रेलपेटे से आटा हुआ है। मार्ग में पैर रखने तक को जगह नहीं है।

रणथम्भौर सकिल से लेकर दूरी तक दर्जनों की तादाद में श्रद्धालुओं के लिए भंडरों का आयोजन किया गया है। तीन दिवसीय मेले में राजस्थान ही नहीं

## पंडित रामकिशन स्वतंत्रता सेनानी के रूप में सम्मानित

भरतपुर (निस)। पूर्व सासद और समाजवादी शताब्दी पुरुष पंडित रामकिशन को शनिवार को ब्रज के अंतिम स्वतंत्रता सेनानी के रूप में मयुरा के एक विश्वविद्यालय ने सम्मानित किया। पंडितों का सम्पादन जैलए विश्वविद्यालय में कार्यकारी कापड़ के शताब्दी के अवधारण पर एक समारोह में किया गया। विश्वविद्यालय के अधिकारी ने त्रिनेत्र गणेश मंदिर के अंदर जैलों को नाम दिया।

पर क्रांतिकारियों पर लिखी एक किताब भी पंडितों को भेजी गई। इस किताब के लेखक हुक्मचंद विहारी ने पंडित रामकिशन की उच्च मूर्यों प्रति आस्था के एक विश्वविद्यालय ने सम्मानित किया। पंडितों का सम्पादन जैलए विश्वविद्यालय में कार्यकारी कापड़ के शताब्दी के अवधारण पर एक समारोह में किया गया। विश्वविद्यालय के अधिकारी ने त्रिनेत्र गणेश मंदिर के अंदर जैलों को नाम दिया।

अन्य प्रांतों के कोने-कोने से भी श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। हर किसी के मन में एक ही कसक है रणथम्भौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर पहुंचकर भगवान गणपति के दर्शनों के लिए जाएं। पिछले सालों की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की सेवा के लिए भंडरों भी अधिक तादाद में लगाए गए हैं।

गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर

रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर में अपनी हाजिरी गई।

रणथम्भौर भगवान गणपति के

दर्शनों के लिए जाएं।

रणथम्भौर भगवान